9:25
12:36

drishti

GENERAL STUDIES (Test–01)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/21 (O-D)–M–**GSM (MIV) 2101**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: PRAHLAD NARAYAN SHARMA
Mobile Number: [redacted]
Medium (English/Hindi): Hindi
Reg. Number: DVF/MP/2021/49
Center & Date: New Delhi / 15-11-2021
UPSC Roll No. *(If allotted)*: 6316501

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.	2.5	11.	6
2.	4	12.	6.5
3.	3.5	13.	5
4.	4	14.	4
5.	3.5	15.	2
6.	4.5	16.	3.5
7.	4.5	17.	7
8.	4	18.	7
9.	3.5	19.	4.5
10.	3.5	20.	7
Grand Total (सकल योग)			90

E-671
मूल्यांकनकर्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

- संदर्भ दक्षता व विषयवस्तु दक्षता अच्छी है।
- उत्तर की प्रस्तुति दक्षता अच्छी है।
- भूमिका तथा निष्कर्ष लेखन अच्छा है।
- भाषा प्रवाह अच्छा है किन्तु थोड़ा अक्षर की स्पष्टता से लिखने का प्रयास करें। कुछ शब्दों में अनुस्वार के प्रयोग पर ध्यान दें।
- उत्तर लेखन का अभ्यास करते रहें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

1. दक्षिण भारत में भक्ति आंदोलन में महिला कवियों और संतों के योगदान पर टिप्पणी कीजिये।

(150 शब्द) 10

Comment on the contributions of women poets and saints to the Bhakti Movement in South India.

(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भक्ति आन्दोलन :- इस आन्दोलन के तहत भारत में दया, करुणा, भक्ति तथा मानव के प्रति प्रेम की भावना का प्रसार किया गया।

दक्षिण भारत में भक्ति आन्दोलन की दो परम्पराओं की शुरुआत हुई

(1) शैव परम्परा :- भगवान शिव को मानने वाले।

(2) वैष्णव परम्परा :- इसको मानने वाले लोग भगवान विष्णु की पूजा करते थे।

दक्षिण भारत में महिला कवि व संतों का योगदान :-

(1) शैव परम्परा को बढ़ावा दिया तथा इन्होंने बौद्ध व जैन धर्म को नकारकर भगवान शिव की उपासना पर बल दिया। शिव eg. कासम्मा द्वारा भगवान की उपासना की भक्ति परम्परा की शुरुआत की गयी।

(2) महिलाओं द्वारा इन परम्पराओं में भाग

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

जो कि समाज में भगवान को लेकर महिला [illegible] को भी बराबर सम्मान की प्राप्ति [illegible] जाता।

(3) [illegible] में भगवान शिव को [illegible] माना जाता है इस धर्म को भी आगे बढ़ाने में कई संतों में महिलाएँ भी शामिल थी।

(4) तमिलनाडु के संत तिरुवल्लुवर की पत्नी के द्वारा हमेशा पतिधर्म का पालन किया गया तथा वहां भक्ति के धर्म को पुष्ट किया।

(5) कई महिला संतों ने मिनाक्षी(?) मन्दिर में पूजा अर्चनाएँ भी की तथा लोगों को करुणा का पाठ पढ़ाया साथ ही लैंगिक समानता को भी बढ़ावा दिया।

इस आधार पर दक्षिण भारत में संत व महिलाओं के रूप में एक सम्मानजनक स्थान प्राप्त है।

[illegible] महिला संतों के योगदान पर चर्चा करें।

विषयवस्तु की समझ अच्छी है किन्तु अधिकतम महत्वपूर्ण तथ्यों को उत्तर में शामिल करने का प्रयास करें।

(2.5)

गौण बिन्दुओं को संक्षेप में लिखने का प्रयास करें।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. प्राचीन एवं मध्ययुगीन भारत में विद्यमान अधिकांश कला एवं वास्तुकला के अवशेष अभी भी शेष हैं जो कि प्रकृति में धार्मिक हैं। परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

Most of the art and architectural remains that survive from ancient and medieval India are religious in nature. Examine. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उत्तर को भूमिका द्वारा प्रारम्भ करने का प्रयास करें।

प्राचीन भारत की कला :-

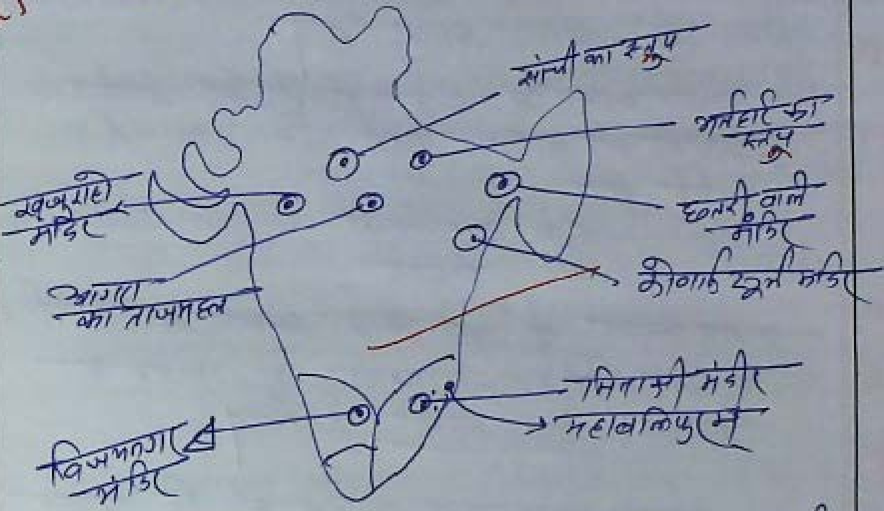

• भीमबेटका शिलाश्रय
• मातृदेवी की टेराकोटा मूर्ति।
इन तथ्यों को शामिल कर उत्तर को और प्रभावी बना सकते हैं

प्राचीन काल में :- स्तूप तथा चैत्यों का निर्माण बड़ी संख्या में कराये गये। अगर हम प्राचीन भारत की बात करें तो दक्षिण भारत, मध्यभारत, पूर्वी भारत में मंदिर निर्माण पर विशेष ध्यान दिया गया।

मध्य काल में :- मध्य काल में आगरा का लाल किला, फतेहपुर सिकरी, बुलन्द दरवाजा, हुमायुं का मकबरा आदि बनाये गये। जामा मस्जिद बनवाई गयी। इस काल में हम धार्मिक तथा धर्मनिरपेक्ष दोनों

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रकार की वास्तुकला को पाते हैं।

→ फतेहपुर सीकरी में मस्जिद, मंदिर व मकबरा व दरगाह तीनों हैं।

मध्य युगीन भारत में बना लाल किला एक धार्मिक स्थल नहीं प्रशासनीक बिल्डिंग के रूप में जानी जाती है।

→ प्राचीन काल में कई ~~[illegible]~~ ऐसे स्थल भी बनाये गये जो धार्मिक नहीं थे

eg. बावड़ियाँ
किले

→ मध्यकाल में भी कई किलों का निर्माण हुआ जैसे - जोधपुर, मेहरानगढ़ का किला, हवा महल आदि।

अत: हम कह सकते हैं कि प्राचीन व मध्यकालीनभारत में स्थापत्य कला में धार्मिक व धर्मनिरपेक्ष दोनों स्थापत्य का निर्माण हुआ लेकिन धार्मिक स्थलों का निर्माण ज्यादा प्राथमिकता वाला रहा।

मानचित्रों/कृतियों पर ध्यान दें।

विषयवस्तु की समझ अच्छी है।

(4)

वाक्य रचना पर ध्यान दें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

3. वैश्वीकरण के आगमन ने भारतीय समाज में पारंपरिक और आधुनिक मूल्यों के बीच टकराव को बढ़ाया है। क्या आप सहमत हैं? (150 शब्द) 10

The advent of globalization has led to a clash between the traditional and modern values in Indian society. Do you agree? (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वैश्वीकरण :- वैश्वीकरण वह प्रक्रिया है जिसके कारण सम्पूर्ण विश्व के मध्य विचारों, वस्तुओं तथा मूल्यों का आदान प्रदान हुआ है जिसके कारण पूरा विश्व एक परिवार की भांति प्रतित होता है।

भारतीय समाज के ~~प्राकृतिक~~ पारंपरिक मूल्य :-

1> सहयोग
2> दया
3> संयुक्त परिवार
4> भाषा, खान पान, वेषभूषा की विविधता
5> भाईचारा
6> लोगों के बीच मधुर संबंध होना
7> सहानुभूति
8> पितृसत्तात्मक व्यवस्था का होना
9> महिला शिक्षा पर कम जोर देना
10> महिला भेदभाव जैसे बालविवाह, दहेज प्रथा आदि।

दूसरे पक्ष को संक्षेप में लिखने का प्रयास करें

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

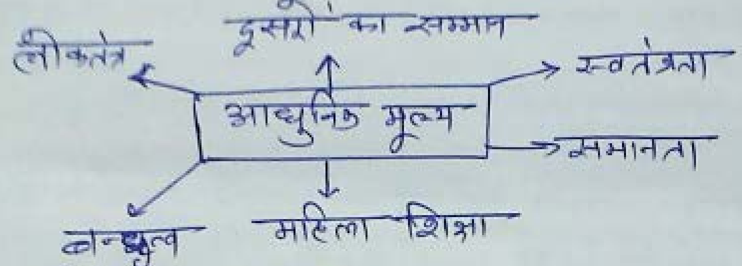

मूल्यों के बीच टकराव :-

वैश्वीकरण के आने के बाद कुछ पारम्परिक मूल्यों जैसे संयुक्त परिवार की जगह एकल परिवार, खानपान में मैकडोनाल्डाइजेशन पिज्जा, बर्गर होना, पहनावे में जींस व टीशर्ट का होना आदि कुछ टकराव के बिन्दु मिलते हैं।

लेकिन साथ ही भारतीय कुछ मूल्य जैसे दिवाली, होली व छठ पूजा विदेशों में होती है। भारतीय खाना विदेशों में मिलने लगा है। इस आधार पर मूल्यों में समावेशन भी हुआ है।

इससे स्पष्ट होता है कि वैश्वीकरण तो एक प्रक्रिया है जिससे विचारों का आदान प्रदान होकर एक सामंजस्य पूर्ण समाज का निर्माण होता है।

• अंतर्जातीय विवाह
• लैंगिक समानता
इन तथ्यों को शामिल करें।

योग परम्परा की विश्व में प्रसिद्धि है।

संदर्भ दर्शा रही है।

वाक्य रचना पर ध्यान दें।

3.5

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

4. "गरीबी समाज में लैंगिक समानता की तरफ प्रगति को विफल कर सकती है।" स्पष्ट कीजिये।

(150 शब्द) 10

"Poverty can thwart progress towards gender equality in Indian society". Explain.

(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

गरीबी:- यह ऐसी अवस्था है जिसमें व्यक्ति, अपने जीवन की मूलभूत जरूरतों जैसे रोटी, कपड़ा, मकान, स्वास्थ्य व शिक्षा जरूरतों को पूर्ण नहीं कर पाता है।

लैंगिक समानता:- इसके अन्तर्गत महिला व पुरुष में भेद नहीं किया जाता।

गरीबी के कारण लैंगिक समानता पर प्रभाव:-

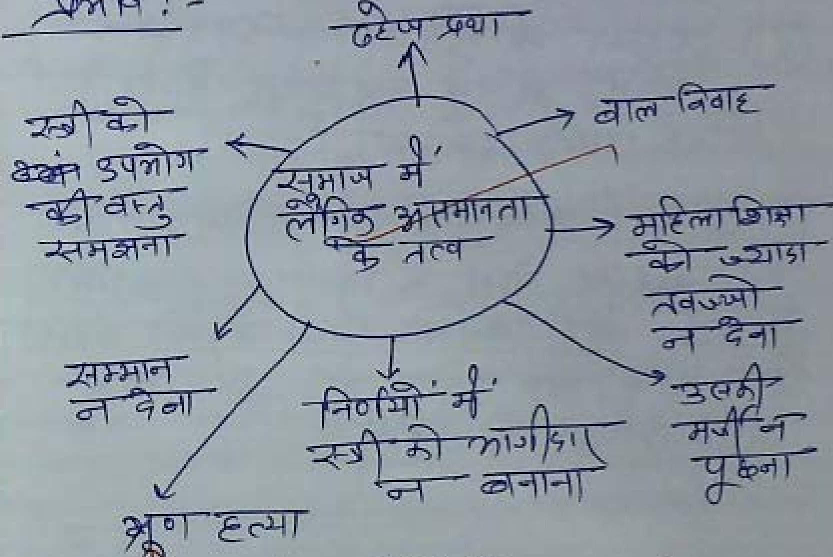

यदि गरीबी बढ़ती है तो —

(1) लोग लड़की को समाज में पहले ही

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

[illegible]

(2) ~~जल्दी शादी करने का निर्णय ताकि दहेज से बच सके।~~

(3) महिला की शिक्षा पर कम खर्च करना।

(4) बालिका पोषण पर कम खर्च करना

(5) घरेलू शोषण को बढ़ावा मिलना।

(6) उसका आर्थिक विकास न हो पाना, इससे वह पर निर्भर होगी व उसका शोषण होगा।

सरकार द्वारा देश में महिला सशक्तता को बढ़ावा देने के लिए <u>सुकन्या समृद्धि योजना</u>, <u>बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना</u>, से अब इस क्षेत्र में सकारात्मक परिणाम आ रहे हैं।

[illegible]

अंत में उपसंहार को और प्रभावी बना सकते हैं

उत्तर लेखन का प्रयास अच्छा है

(A)

'ह' अक्षर को [illegible] स्पष्टता से लिखने का प्रयास करें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. आदिवासी समुदायों की सामाजिक प्रथाओं और मूल्य व्यवस्था से आधुनिक भारत समाज क्या सीख सकता है? व्याख्या कीजिये। (150 शब्द) 10

What can modern Indian society learn from social practices and value systems of the tribal communities? Explain. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

आदिवासी समुदाय :- वे ऐसे समुदाय है जो सामान्यत: जल, जंगल व जमीन से जुड़े लोग है तथा सामान्यत: आधुनिक जीवन की परम्पराओं से कुछ भाग भिन्न परम्पराओं का अनुसरण करते है।

आदिवासी समाज की प्रथाएँ जो आधुनिक भारतीय समाज के लिए उपयोगी है :-

1> महिला को बराबर सम्मान देना।
2> कई समाज मातृसत्तात्मक होना
3> सम्पत्ति में महिला को प्राथमिकता
4> निर्णयों में महिला की भागीदारी
5> भ्रूण हत्या का न होना
6> जल, जंगल व जमीन को अपने प्राणों से ज्यादा प्यार करना
7> लिंगानुपात, आधुनिक भारत से बेहतर होना।
8> वर्ण व्यवस्था न होना।
9> छुआछूत न होना।

→ मेघालय में खासी जनजाति

→ सहरिया जनजाति

इन उदाहरणों को शामिल कर उत्तर को और प्रभावी बना सकते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(अभ्यर्थी को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।)
(Candidate must not write on this margin)

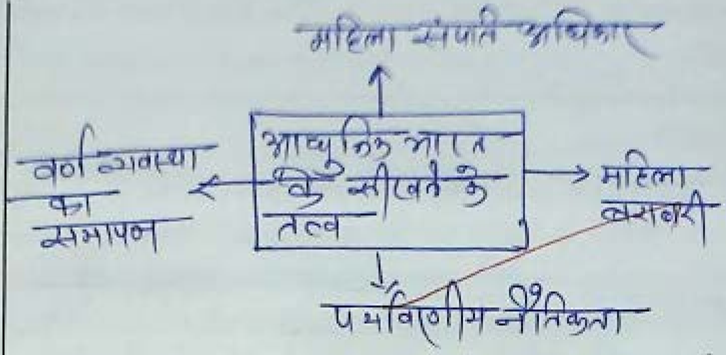

परन्तु कुछ मामलों में आदिवासी पिछड़े हैं जैसे शिक्षा, रोजगार, तथा कुछ समाज में बलि प्रथा का प्रचलन है। यदि मैं आधुनिक भारतीय समाज की शिक्षा, रोजगार व बलि न देने की प्रथा को माने तो बेहतर समाज के रूप में प्रगति होगी।

निष्कर्ष में आदिवासी समुदाय की प्रथाओं के प्रभाव को शामिल कर सकते और प्रभावी बना सकते हैं

विषयवस्तु दक्षता अच्छी है।

3.5

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. सूखे तथा बाढ़ की दोहरी समस्या का समाधान नदियों को जोड़ना है। सरकार की राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना के संदर्भ में विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

Interlinking of rivers solves the twin problems of drought and flood. Analyse in the context of government's National River Linking Project. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सूखा : जब देश में बारिश की सामान्य मात्रा से 30% से भी कम वर्षा हो।

बाढ़ :- जब नदियों का जल उनके मार्ग से फैलकर क्षेत्र को जलमग्न कर दे।

राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना :-

यह केन्द्र सरकार की महत्वकांक्षी योजना है जिसमें जल की अधिक मात्रा व बारहमासी नदियों के पानी को, जल की कम मात्रा वाली नदियों से जोड़ने की योजना है जिससे बाढ़ व सूखे दोनों की समस्या हल होगी।

इसके तहत शामिल योजना में नदियाँ :-

1> केन - बेतवा नदी जोड़ो परियोजना
2> गोदावरी व कृष्णा
3> कृष्णा व कावेरी के मध्य
4> कृष्णा व तुंगभद्रा के मध्य

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

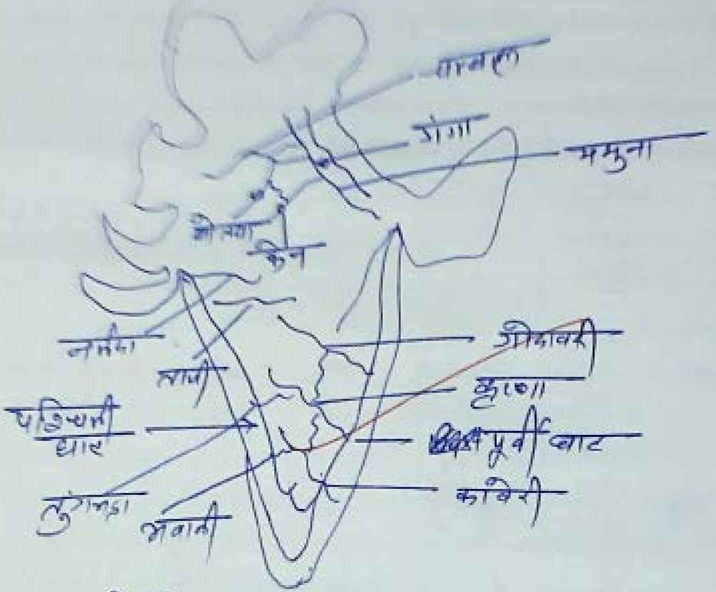

इस परियोजना के लाभ :-

(1) बुंदेलखंड के सूखे क्षेत्र को पानी
(2) मध्य प्रदेश में बाढ़ में कमी
(3) राजस्थान के क्षेत्र में सूखे से निपटना।
(4) निर्धन तथा ग्रामीणों की सूखे की समस्या से निपटना।

इसकी हानि :- (1) पारिस्थितिक तंत्र की हानि
वृ. क्षेत्र का जलमग्न होना
(2) लोगों का विस्थापन
(3) गाद की समस्या के कारण बाढ़ की समस्या का हल न होना।

ऐसी परियोजनाओं को व्यापक पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन के बाद क्रियान्वयन किया जाना चाहिए।

अधिकतम महत्वपूर्ण बिंदुओं को शामिल करके अच्छा उत्तर लिखा गया है
4.5

Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. भारतीय जलवायु को निर्धारित करने वाली महत्त्वपूर्ण अवस्थिति तथा उच्चावच संबंधी कारकों की चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the important location and relief factors that determine the climate of India. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारतीय जलवायु :- भारतीय जलवायु मानसून प्रकार की है क्योंकि यहाँ मानसून हवाओं का आगमन तथा वापस लौट जाने की एक नियमित प्रक्रिया होती है। ये हवाएँ यहाँ बारिश करती है तथा जलवायु का निर्धारण करती है।

भारत की जलवायु के निर्धारक कारक

1. हिमालय
2. पश्चिमी घाट
3. पूर्वी घाट
4. हिन्द महासागर
5. कर्क रेखा

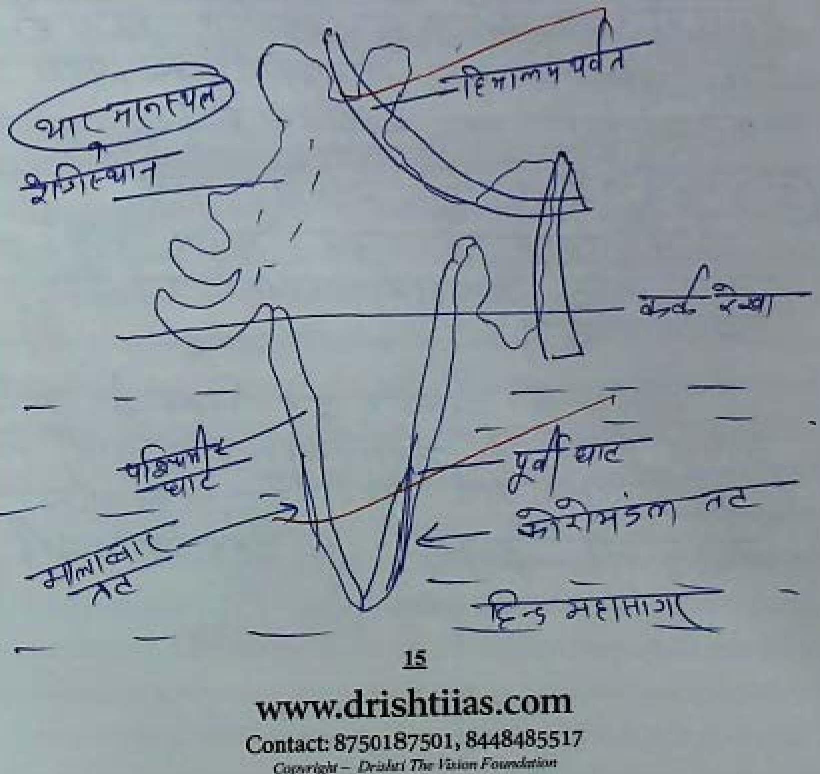

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

• ऊँचाई
• सागर से दूरी जैसे तत्वों को शामिल कर उत्तर को और प्रभावी बना सकते हैं।

प्रभाव :- (1) उत्तर में हिमालय होने के कारण उत्तर पश्चिमी हवाओं को रोककर बाधित करना।

(2) साइबेरिया से आनेवाली हवाओं को रोककर हिमालय भारत को ठण्ड से रोकता है।

(3) पश्चिमी घाट :- यह उत्तर पश्चिमी हवाओं मानसून के बीच अवरोध पैदा करता है व 200cm से लेकर 400cm तक वर्षा प्राप्त करता है और जैव विविधता के "Hot spot" में शामिल है।

(4) हिन्द महासागर का पश्चिमी व पूर्वी भाग के गर्म होने में अन्तर मानसूनी हवाओं को प्रभावित करता है व अलनीनो व ला नीना के प्रभाव को घटाता व बढ़ाता है।

उत्तर लेखन का प्रयास अच्छा है।

(5) कर्क रेखा के समीप राज्य ज्यादा गर्म होते है यह निम्न दाब का क्षेत्र मानसूनी पवनों को आकर्षित करता है।

(1.5)

भारत की जलवायु पूरे विश्व में सबसे ज्यादा भिन्न है यहां एक तरफ गर्मी तो दूसरी तरफ बर्फ रहती है, एक तरफ समुद्र तो दूसरी तरफ हिमालय खड़ा है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. क्या रूस 1917 की क्रांति को टाल सकता था? यह क्रांति अपने वादों की पूर्ति में कितनी सफल रही? (150 शब्द) 10

Could Russia have avoided revolution in 1917? How far was the revolution successful in fulfilling its promises? (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

रूस की 1917 की क्रांति :- 1917 में रूस की जनता तथा लेनिन के नेतृत्व में बोल्शेविक दलों ने रूस के निरंकुश शासन जारशाही को हटा दिया तथा वहाँ लेनिन के द्वारा सर्वहारा के शासन को स्थापित किया गया।

रूस की क्रांति क्या टाली जा सकती थी इस पर आने से पहले इन बातों पर ध्यान देना जरूरी है जिसके कारण यह क्रांति हुई :-

कारण:
- लोगों में रूसी शासन के प्रति गुस्सा
- निरंकुश जारशाही
- यूरोप में पुनर्जागरण
- विशेषाधिकार वर्ग द्वारा शोषण
- कृषि अवनति
- किसान बेहाल
- आधुनिक मूल्यों की चाह
- असमानता
- बेरोजगारी
- लोगों पर कर का भार
- उद्योगों की बुरी स्थिति

विस्तार

इन सभी मुद्दों को सुलझाने के लिए लेनिन द्वारा जनता को उग्र नेतृत्व प्रदान किया गया थे ऐसे मुद्दे हैं जो क्रांति होने को अवश्यंभावी बना देते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

क्रांति के कारण :-

① ~~अफसरशाही~~
② ~~जारशाही का शासन~~
③ ~~पूंजीवाद की आलोचना करना~~
④ ~~साम्यवादी शासन व्यवस्था~~
⑤ ~~सत्ता की असमानता~~
⑥ संसाधनों पर राज्य का नियंत्रण।

क्रांति के बाद लेनिन के कदम :-

लेनिन द्वारा पूरी तरह साम्यवाद स्थापित न करके मिश्रित अर्थव्यवस्था को अपनाया गया इस आधार पर इसकी आलोचना भी हुई इस पर उनके कहा की दो कदम आगे बढ़ने के लिए एक कदम पीछे लिया जा सकता है।

लेनिन ने लोगों को रोजगार प्रदान किए, नयी आर्थिक नीति को लागू किया तथा औद्योगिकीकरण पर जोर दिया इससे क्रांति के कई लक्ष्य पूरे हुए।

परन्तु ~~सत्ता~~ सत्ता बड़े पूरे करना हमेशा मुश्किल होता है इसी कारण असंतोष धीरे-2 व्यापक होता है जिसे 1991 के सोवियत संघ विघटन के रूप में देखा जा सकता है।

· भुखमरी
· बलात श्रम प्रणाली।
इन तत्वों को शामिल कर उत्तर को और प्रभावी बना सकते हैं।

इस पक्ष को संक्षेप में लिखने का प्रयास करें।

विषयवस्तु के स्तर पर आपकी समझ अच्छी है।
④

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

9. राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान अनेक विदेशी महिलाओं ने भारतीय समाज में सराहनीय योगदान दिया। विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

Several women from foreign countries made remarkable contributions to Indian society during the national freedom movement. Discuss. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

राष्ट्रीय आन्दोलन :- भारत की आजादी तथा देश के सामाजिक व सांस्कृतिक सुधार के लिए चलाये गये आन्दोलन को राष्ट्रीय आन्दोलन कहा जाता है। इसमें महिलाओं का भी बड़ा योगदान रहा -

① एनीबेसेन्ट के द्वारा भारत में होमरूल लीग आन्दोलन (1916) चलाया गया।

↳ लक्ष्य: भारत में स्वशासन की स्थापना।

② मैडम ब्लावेत्स्की के द्वारा भारत में थियोसोफिकल सोसाइटी को प्रसारित किया गया जिसका मकसद भारतीय धर्म, दर्शन, वेदान्त व योग आदि को पूरे विश्व में प्रसारित करना व इसे पुर्नजीवित करना था इससे देश में एक अलग आत्मविश्वास दिया।

③ जार्ज अरुण्डेल की पत्नी के द्वारा भारत में सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाया गया।

④ लेडी बेथून के द्वारा महिला शिक्षा को बढ़ावा देकर उनमें

नेली सेनगुप्ता, मीरा बेन इन महिलाओं के योगदान पर चर्चा कर उत्तर को और प्रभावी बना सकते हैं।

वाक्य रचना पर ध्यान दें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आत्म विश्वास भरा और भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के लिए महत्वपूर्ण था।

(5) मैडम भीकाजी कामा ने कनाडा व ग्रीन फ्रांसिस्को तथा फ्रांस से योगदान किया। विदेशी धरती पर तिरंगा फहराया।

(6) कई गवर्नर जनरलों की पत्नीयों ने यहाँ महिला शिक्षा पर काम किया।

इस आधार पर विदेशी महिलाओं ने भी राष्ट्रीय आन्दोलन में विशेष योगदान किया।

विषयवस्तु की समझ अच्छी है।
(3.5)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

10. स्वतंत्र भारत में सहकारी आंदोलनों के उद्भव के लिये उत्तरदायी सामाजिक-आर्थिक कारक कौन-से थे? साथ ही इन आंदोलनों की मुख्य विशेषताओं को भी रेखांकित कीजिये। (150 शब्द) 10

What were the socio-economic factors responsible for the emergence of the cooperative movement in post-independent India? Also, highlight the key characteristics of this movement. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सहकारी आन्दोलन :- किसी भी कार्य को कई लोग आपस में मिलकर करते हो जिसमें कोई एक व्यक्ति मालिक न होकर सभी सदस्यों के बीच बराबरी का भाव कायम रहता है ऐसी संस्थाओं को cooperative संस्था कहते है तथा इसके लिए आन्दोलन सहकारी आन्दोलन कहा गया

इनके लिए उत्तरदायी कारण :-

1. देश में भूमि सुधारों का सही से लागू न होना
2. लोगों के पास संसाधनों की कमी होना।
3. लोगों में मिलकर कार्य करने व प्रगति करने की प्रेरणा।
4. समाज में छुआछूत की भावना का होना।
5. एक समान प्रवृत्ति भूमि के लोगों का मिलना।

• रोज़गार का अभाव
• गरीबी
इन तथ्यों को शामिल करें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मुख्य विशेषताएँ

- कृषि से ज्यादा संबंधित
- सुधारों की माँग की प्रेरणा
- पूँजी निर्माण के लिए प्रेरित
- एक समान आर्थिक पृष्ठभूमि के लोग शामिल
- नैतिक भावना प्रदान की गयी
- बराबरी का दर्जा देने की भावना

eg. अमूल द्वारा cooperative की स्थापना
→ महाराष्ट्र राज्य महिला cooperative Society.

सरकार द्वारा cooperative को विनियमित करने तथा गांधी जी के सपने को साकार करने के लिए संविधान में 9B भाग जोड़ा गया तथा 19(1)(b) के तहत cooperative Society बनाने को fundamental right घोषित किया।

• संगठनों के सामूहिक स्वामित्व को आगे बढ़ाया
• हस्तशिल्प एवं लघु उद्योगों में कुम्हार
इन तथ्यों को शामिल कर उत्तर को और प्रभावी बना सकते हैं।
संदर्भ देना अच्छा है।
(3.5)

तथ्यों के दोहराव को कम करने का प्रयास करें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. 'व्यपगत सिद्धांत' जैसी कुटिल नीति को तैयार करने हेतु अपनी कुप्रसिद्धि के बावजूद, लॉर्ड डलहौजी ने अनेक अर्थों में आधुनिक भारत की नींव रखी थी। व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 15

Despite his notoriety for devising the nefarious 'doctrine of lapse' policy, Lord Dalhousie in many respects laid the foundations of modernization in India. Explain. (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

व्यपगत की सिध्दान्त :- इसके तहत भारतीय राज्यों के (रियासत) के राजा जिनकी कोई संतान नहीं है वे बच्चा गोद नहीं ले सकते तथा ऐसी रियासतों को ब्रिटिश शासन के प्रत्यक्ष नियंत्रण में ले लिया जाता।

eg. → सतारा
→ संभलपुर
→ झांसी
→ उदयपुर

लार्ड डलहौजी के द्वारा किये गये कार्य :-

सार्वजनिक निर्माण विभाग इस तथ्य को शामिल करें

1. डाक की व्यवस्था करना :- इन्होंने भारत में सर्वप्रथम डाक का प्रचलन करना ताकि communication बेहतर हो सके।
2. देश में इन्होंने तार की लाइनें खिंचवाई | बिछाई
3. इन्होंने सड़क निर्माण व बंदरगाह निर्माण के आधुनिकीकरण पर ध्यान दिया eg. गुजरात बंदरगाह, बंबई बंदरगाह, कलकत्ता बंदरगाह

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(4) डलहौजी के समय भारत में रेलवे की नींव पड़ी। पहली ट्रेन बाम्बे से थाने के बीच चली।

(5) डलहौजी के द्वारा देश में कई जगह पार्कों का निर्माण कराया गया।

(6) डलहौजी के द्वारा देश में आधुनिक शिक्षा व्यवस्था को बढ़ावा दिया गया इनका मत पश्चिमी साहित्य तथा अंग्रेजी विषय की और रुझान था।

पार्लर वुड

(7) डलहौजी द्वारा भारतीय सेना में आधुनिक पद्धति से टुकड़ी निर्माण व पुनर्गठन को बढ़ावा दिया गया।

नकारात्मक पक्ष पर चर्चा करें।

(8) इनके द्वारा महिला अधिकारों पर जोर दिया गया व उनकी शिक्षा पर भी जोर दिया।

इन आधारों पर हम कह सकते हैं कि डलहौजी ने जाते जाते में ही सही लेकिन भारत के आधुनिकीकरण की नींव रख दी। इसी का आगे फायदा राष्ट्रीय आन्दोलन में आधुनिक सुधारक व्यक्तियों द्वारा भारतीय संभाली गयी व देश की स्वतंत्रता में अमूल्य योगदान दिया गया।

इन पक्षों को संक्षेप में लिखने का प्रयास करें

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

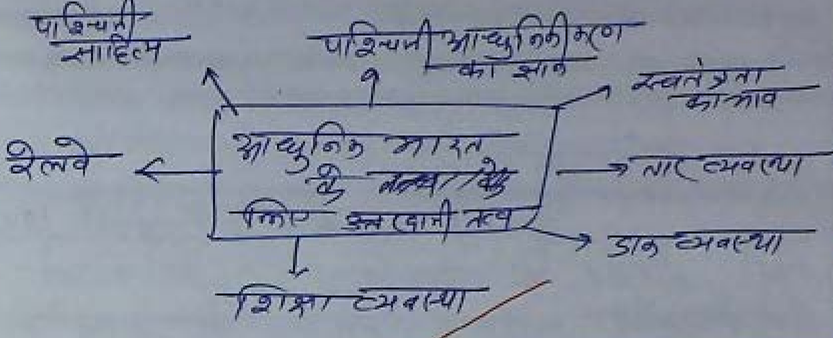

इस प्रश्न के उत्तर के मुख्य भाग में लिखने का प्रयास करें।

विषयवस्तु की समझ बेहतर है

(6)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. भारत छोड़ो आंदोलन के प्रति विभिन्न राजनीतिक दलों के दृष्टिकोण का मूल्यांकन कीजिये। यह आंदोलन अन्य सभी गांधीवादी जन-आंदोलनों से कैसे अलग था? (250 शब्द) 15

Evaluate the attitudes of different political parties towards the Quit India Movement. How was this movement different from all other Gandhian mass movements? (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत छोड़ो आन्दोलन :-

इसकी शुरुआत 8 August 1942 को बम्बई के ग्वालिया टैंक मैदान से हुई इसे अगस्त क्रांति के नाम से भी जाना जाता है।

राजनीतिक दलों का दृष्टिकोण :-

(A) गांधीवादी विचारधारा एवं कांग्रेस :-

कांग्रेस ने गांधी जी की साध्य व साधन की पवित्रता का समर्थन किया व हिंसा व हथियारों की जगह सत्य, अहिंसा व सत्याग्रह द्वारा ही अंग्रेजों को भारत छोड़ो अभियान का नारा दिया गया।

(B) फारवर्ड ब्लॉक एवं सुभाषचन्द्र बोस :-

सुभाषचन्द्र बोस साधन की पवित्रता को नहीं मानते थे। उन्होंने ऐसे समय अंग्रेजों पर सैन्य हमला करने का आह्वान किया।

साधन → सुभाषचन्द्र बोस → साध्य

साधन ↓ पवित्र अथवा अपवित्र ↓ जैसे हिंसा / सैन्य कार्यवाही

साध्य ↓ आजादी / स्वतंत्रता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(C) साम्यवादी :- ~~चूंकि~~ भारत छोड़ो आन्दोलन के समय ही द्वितीय विश्व युद्ध भी चल रहा था तथा भारत को भी ब्रिटिश ने युद्ध में शामिल किया था चूंकि रूस पर जर्मनी ने हमला बोल दिया अतः साम्यवादी ब्रिटिश के समर्थन में चले गये। इस प्रकार इन्होंने भारत छोड़ो आन्दोलन को समर्थन नहीं दिया।

(D) पूंजीवादी वर्ग :- पूंजीवादी वर्ग ने भारत छोड़ो आन्दोलन में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया वे देश में स्वतंत्र रूप से पूंजीवादी व्यवस्था को लेकर आशावान थे।

(E) मुस्लिम ~~xx~~ लीग :- मुस्लिम ~~लीग व~~ ~~मुस्लिम पुरुष~~ ने भारत छोड़ो आन्दोलन में सक्रियता से भाग लिया थे भी अंग्रेजों के जाने का इन्तजार कर रहे थे ताकि सत्ता में भागीदारी मिले व जिन्ना का पाकिस्तान का स्वप्न भी पूरी तरह दिमाग में था।

(F) दक्षिण राज्यों में अकाली पार्टी ने इसका समर्थन किया।

(G) क्रांतिकारी दलों ने भारत छोड़ो आन्दोलन में हिंसा के द्वारा बढ़-चढ़ कर भाग लिया वे अंग्रेजों के जाने के बाद देश में एक समाजवादी व्यवस्था चाहते थे।

[Examiner's margin notes: स्थानीय स्तर पर अनेक साम्यवादियों ने भाग लिया। / आंदोलन का विरोध किया था। / अम्बेडकर द्वारा [illegible] आंदोलन की आलोचना को इस रूप को शामिल करें / मत पक्षों को संक्षेप में लिखने का प्रयास करें।]

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

भारत छोड़ो आंदोलन की असफलता के कारण :-

① यह आंदोलन स्वतः स्फूर्त/नेतृत्वविहीन था क्योंकि सभी प्रमुख नेता 9 August को ही गिरफ्तार हो गये।

② इसमें हिंसा व्यापक स्तर पर हुई।

③ लोगों ने इसमें बढ़चढ़कर हिस्सा लिया तथा सेना का भी मौन समर्थन मिला।

④ गांधी जी ने इसमें "करो व मरो" का नारा देकर प्रत्यक्ष रूप से सब कुछ न्यौछावर करने का आह्वान कर दिया।

भारत छोड़ो आन्दोलन की जनता की भागीदारी का परिणाम हुआ कि विश्व पटल पर भारत देश नामक एक स्वतंत्र देश का उदय हुआ।

उत्तर लेखन शैली अच्छी है।

(6.5)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. दक्षिण अफ्रीकी प्रयोग ने महात्मा गांधी को कई परिप्रेक्ष्यों में भारतीय राष्ट्रीय संघर्ष के नेतृत्व के लिये तैयार किया। विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

The South African experiment prepared Mahatma Gandhi for leadership of the Indian national struggle in many respects. Discuss. (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

गांधीजी दक्षिण अफ्रीका में दादा अब्दुल्ला का मुकदमा लड़ने के लिए गये लेकिन वहा श्वेत सरकार द्वारा किये जा रहे अश्वेतों पर अत्याचार को वे सहन न कर सके व वहीं रुककर लड़ने का निर्णय लिया।

दक्षिण अफ्रीका में गांधीजी के प्रयोग :-

① टॉलस्टाय फार्म की स्थापना :- यहाँ आन्दोलन से जुड़े बेसहारा लोगों को आश्रय दिया जाता था।

⇓ भारतीय आन्दोलन में

अहमदाबाद आश्रम वर्धा आश्रम की स्थापना

स्पष्ट करें।

② गांधी जी द्वारा 1906 में अश्वेत वाले परिचय पत्रों के विरुद्ध सत्याग्रह आन्दोलन किया गया

भारत में इन्होंने नमक सत्याग्रह अर्थात् सविनय अवज्ञा आन्दोलन किया

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(3) गांधी जी ने हमेशा अहिंसा को अपना आदर्श माना था।

⇓

भारत में असहयोग आन्दोलन को हिंसा के कारण वापस लेना

⇓

अर्थात् अहिंसा में पूरी आस्था

(4) गांधीजी ने अफ्रीका में खाली समय में कई रचनात्मक कार्यों पर बल देते थे उसी तरह उन्होंने भारत में आकर भी रचनात्मक कार्य किये –

जैसे ⇒ i) अस्पृश्यता निवारण
ii) स्वच्छता अभियान
iii) खादी को बढ़ावा
iv) कुटिर उद्योग लगाना
v) पशुपालन

(5) लोगों की शक्ति को गांधी जी ने सर्वप्रमुख माना तथा भारत आकर भी गांधी जी ने लोगों की भागीदारी को बढ़ावा दिया

जैसे → किसान
→ महिला
→ दलित
→ मजदूर

· संगठन एवं प्रकाशन
· समझौता वार्ता।
इन तथ्यों को शामिल करें।

मूल पक्ष को संक्षेप में लिखें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इस आधार पर द. अफ्रीका गांधीजी के लिए एक प्रयोगशाला थी तथा इन प्रयोगों का इस्तेमाल इन्होंने भारत में अच्छे से किया।

संदर्भ स्पष्टता अच्छी है किन्तु अधिकतम तथा महत्वपूर्ण तथ्यों को उत्तर में शामिल करने का प्रयास करें।

5

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. फासीवादी शक्तियों के तुष्टिकरण की पश्चिमी नीति द्वितीय विश्व युद्ध का कारण बनी। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

Western policy of appeasement of the fascist powers caused the Second World War. Examine. (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

फासीवादी शक्ति :- यह इटली के मुसोलिनी की विचारधारा को रेखांकित करता है। इस विचारधारा के मुख्य बिन्दु निम्न हैं :-

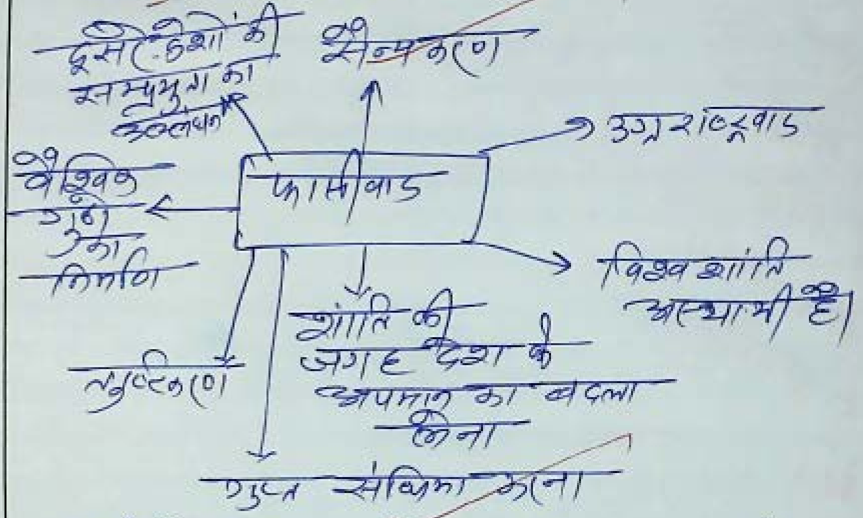

इसी के तहत प्रथम विश्व युद्ध के बाद जर्मनी में हिटलर की विभिन्न क्रियाविधि को भी समान रूप से रेखांकित किया जाता है।

तुष्टिकरण की नीति :-

1) हिटलर द्वारा सैन्यीकरण को मूक देखते रहना

2) हिटलर का राइनलैण्ड जोन्स पर वापस कब्जा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए।
(Candidate must not write on this margin)

3) हिटलर का ऑस्ट्रिया के भागों पर वापस कब्जा कर लेना।

4) ~~[illegible]~~ मुसोलिनी तथा हिटलर के बीच गठबंधन को अकेला करना।

(5) द्वितीय विश्व युद्ध का बीज तो वर्साय की संधि के द्वारा बो दिया गया था बल्कि बाद की परिघटनाएँ तो वर्साय की अपमान जनक संधि का बदला लेने के लिए प्रेरित हुई।

वर्साय

द्वितीय विश्व युद्ध का कारण बनने में तुष्टिकरण की नीति की भूमिका पर चर्चा करें।

प्रश्नानुसार सभी पक्षों पर चर्चा करते हुए उत्तर को निष्कर्ष द्वारा पूर्ण करने का प्रयास करें।

(A)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

15. कोरियाई युद्ध का अंत करने वाले 'युद्धविराम समझौते, 1953' को प्रभावी बनाने में भारत द्वारा निभाई गई महत्त्वपूर्ण भूमिका की चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Discuss the vital role played by India in effectuating the 'Armistice Agreement, 1953', that ended the Korean War. (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कोरिया युद्ध:- कोरिया प्रायद्वीप का युद्ध उत्तरी कोरिया व दक्षिण कोरिया के मध्य लड़ा गया। इनके आपसी वैचारिक स्थिति का टकराव इसका मुख्य कारण रहा। इस युद्ध में दोनों देशों के मध्य व्यापक हिंसा व आर्थिक नुकसान हुआ।

1953 में युद्ध विराम में भारत की तरफ से पं. जवाहरलाल नेहरू की व्यापक भूमिका रही। नेहरू जी का पंचशील का सिद्धान्त आज भी अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति व कूटनीति में महत्वपूर्ण है -

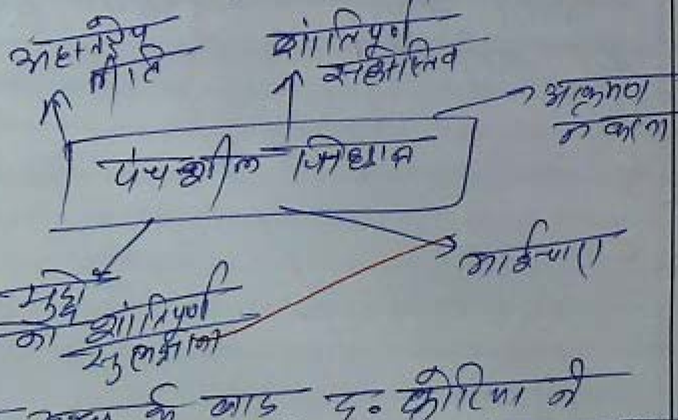

इस युद्ध के बाद द. कोरिया ने अपना ध्यान उद्योग पर लगाया तथा लोकतांत्रिक प्रणाली अपनाई गयी ...

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उत्तरी कोरिया में तानाशाही शासन का बोलबाला रहा।

द. कोरिया के भारत के साथ अच्छे संबंध बने व व्यापारिक तौर पर दोनों देश घनिष्ट संबंधों में हैं।

द. कोरिया के औद्योगीकरण में कच्चे माल के तौर पर भारत पर्याप्त सहायता प्रदान करता है। साथ में द. कोरिया से हमें शिक्षा व इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की आपूर्ति होती है।

अनावश्यक पक्ष

उत्तरी कोरिया में तानाशाही शासन के कारण व चीन का प्रभाव होने से भारत के सभी संबंध विकसित नहीं हो सके क्योंकि भारत की विचारधारा वसुधैव कुटुम्बकम की रही है।

निष्कर्ष को प्रश्न की मांग के अनुरूप लिखने का प्रयास करें

युद्धविराम समझौते पर भारत की भूमिका पर चर्चा करते हुए उत्तर को पूर्ण करने का प्रयास करें।

(2)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

16. राज्यों के भाषायी पुनर्निर्माण ने भारत की एकता को गंभीर रूप से कमजोर किये बिना इसके राजनीतिक मानचित्र को तर्कसंगत रूप प्रदान किया। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

The linguistic reorganization of states resulted in rationalizing the political map of India without seriously weakening its unity. Examine. (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

राज्यों का भाषायी पुनर्निर्माण :-

देश में नये राज्यों के निर्माण का मुख्य आधार भाषायी रूप ही एक जैसे क्षेत्र को महत्व देना

eg. आन्ध्रप्रदेश → 1953
गुजरात → गुजराती
महाराष्ट्र → मराठी भाषा

आजादी के तुरन्त बाद ही भाषा को लेकर दक्षिण के राज्यों द्वारा ये मांग की गयी की भाषा पुर्नगठन भाषा के आधार पर किया जाये इस आन्दोलन में कांग्रेस के नेता श्री रामालु की मृत्यु हो जाने से आन्दोलन और उग्र हो गया।

नवोदित राष्ट्र के समक्ष समस्या :-

1. कानून व प्रशासन को बनाना
2. देश में बेरोजगारी
3. देश में असमानता
4. कृषि व उद्योगों की निम्न दशा
5. लोगों की आकांक्षाए पूरी करना

इन सब के होने के बावजूद एक और

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

समस्या का जन्म लेना संविधान निर्मात्री के समय बड़ी समस्या थी।

इसके लिए तीन आयोगों की स्थापना की धर आयोग, जे वी पी समिति तथा फजल अली आयोग।

→ फजल अली आयोग ने देश की शांति व सुरक्षा के लिए भाषाई राज्यों की गठन की मांग को स्वीकार कर लिया गया। परन्तु निम्न शर्तें भी शामिल थी
① प्रशासनिक एकरूपता
② बहुभाषी होना
③ भौगोलिक एकता व समानता

→ भाषा के आधार पर राज्यों का गठन कर देश में एक प्रमुख व बड़ी समस्या को शांति पूर्वक निपटा लिया गया इससे भारतीय संघ कमजोर होने की जगह ज्यादा मजबूत होकर उभरा क्योंकि इसके बाद इन राज्यों में कई सालों तक शांति रही।

→ परन्तु मूल्यांकन करने पर पता चलता है कि राज्यों की मांग कहीं न कहीं भाषा को न लेकर आर्थिक पिछड़ापन भी है। eg. महाराष्ट्र में विदर्भ की मांग
गुजरात में सौराष्ट्र की मांग
आंध्रप्रदेश से तेलंगाना अलग होना।

हल पक्ष को संक्षेप में लिखने का प्रयास करें।

तथ्यों पर थोड़ा विस्तार से चर्चा करें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अतः भविष्य में ऐसी मामले ज्यादा सामने आने वाले निपटने का सही रास्ता आर्थिक विषमता को समाप्त कर समावेशी विकास को बढ़ावा देना है।

आचार्य पुनर्निर्माण के नकारात्मक पक्षों पर चर्चा करें।

विषयवस्तु दक्षता अच्छी है किन्तु प्रश्नानुसार सभी पक्षों को उत्तर में शामिल करने का प्रयास करें।

3.5

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. विश्व के वलित पर्वतों के महाद्वीपों के किनारों पर स्थित होने के पीछे के कारण बताइये। वलित पर्वतों की उपस्थिति भूकंपीय गतिविधियों और ज्वालामुखीयता से कैसे संबंधित है? (250 शब्द) 15

Provide reasons behind the location of the world's fold mountains on the margins of the continents. How is the existence of fold mountains associated with seismic activities and volcanism? (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वलित पर्वत :- वलित पर्वतों का निर्माण दो प्लेटों के टकराने के कारण होता है।

वलित पर्वतों के उदाहरण
→ हिमालय
→ रॉकी पर्वत
→ एण्डीज पर्वत माला

वलित पर्वतों की उत्पत्ति को हिमालय के संदर्भ में समझ सकते हैं तथा साथ ही भूकम्प व ज्वालामुखी का कारण भी इससे समझ सकते हैं।

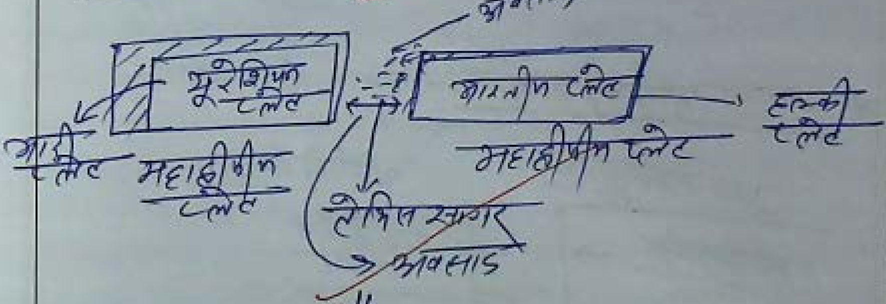

अवसादों में वलन पड़ने से निर्मित। ज्ञान तत्व को शामिल करें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

लेकिन भारतीय प्लेट ज्यादा हल्की होने से यह ज्यादा अन्दर नहीं जा सकी अतः ज्वालामुखी नहीं बन सके।

भारतीय प्लेट का अन्दर धंसना
⇓
गर्म होना
पिघलना
⇓
ज्वालामुखी की उत्पत्ति होना

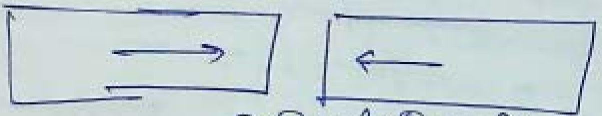

अभिसारी प्लेट सीमांत

पास आने पर प्लेटों के बीच में तनाव होना
⇓
तथा भूकम्प आना

ज्वालामुखी की उत्पत्ति :- eg. रॉकी पर्वत

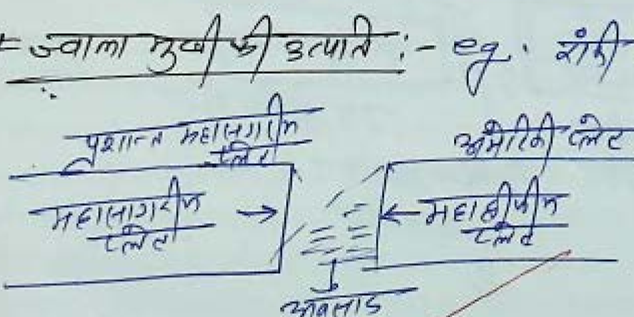

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

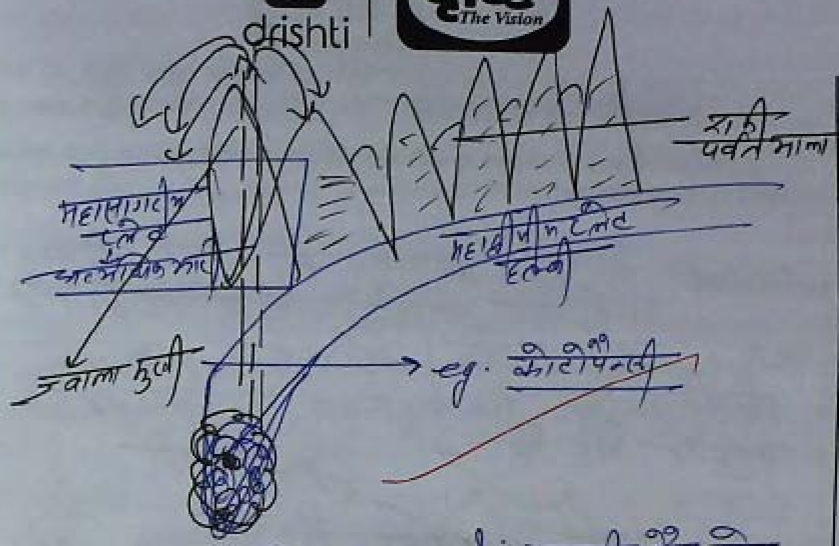

→ जब दो प्लेट आपस में टकराती है तो एक प्लेट (भारी) से दूसरी प्लेट टकराती है तथा उनके बीच तनाव बल के कारण भूकम्प आते है।

भारी प्लेट के नीचे हल्की प्लेट के धसने से वह Asthenosphere के उच्च तापमान से पिघलने लगती है व लावा के रूप में ज्वालामुखी का रूप लेती है।

→ अधिकांश वलित पर्वत महाद्वीपीय सीमांत पर होते है क्योंकि उनके निर्माण के लिए अवसाद समुद्री सतहों से मिल जाते है तथा व्यापक तनाव बल उत्पन्न हो पाता है।

प्रश्न की माँग के अनुरूप अच्छा उत्तर लिखा गया है (7)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

18. हिंदूकुश और हिमालय के हिमनदों के विशेष संदर्भ में हिमनदों के महत्त्व पर प्रकाश डालिये और उनके द्वारा सामना किये जाने वाले खतरों की चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Highlight the importance of glaciers and discuss the threats faced by them, with special reference to Hindu Kush and Himalayan glaciers. (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हिमनद :- ये बर्फ के रूप में समुद्र की तरह पानी को समेटे पानी के स्रोत के अपार सागर हैं। वर्तमान में जलवायु परिवर्तन के कारण इन पर खतरे मंडरा रहे हैं।

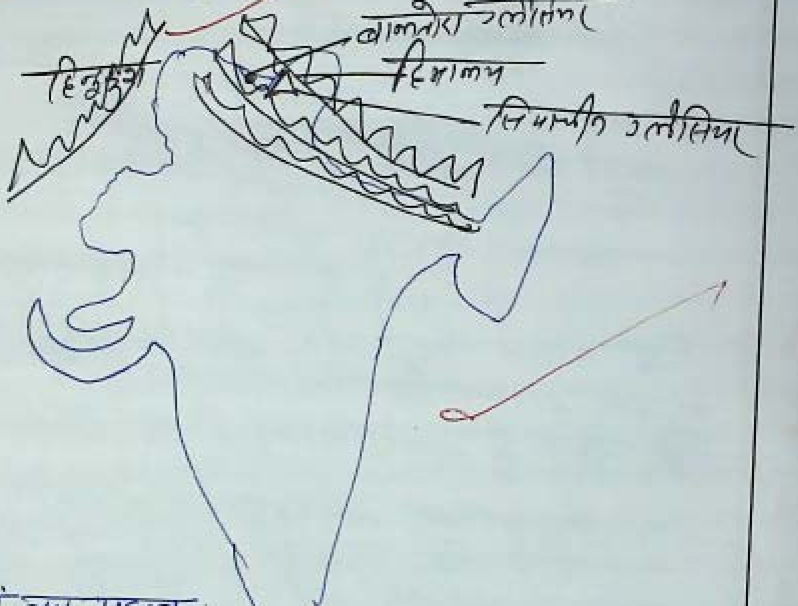

हिमनदों का महत्व :-

① ये कई नदियों के जल का स्रोत है eg. ब्रह्मपुत्र
गंगा
जमुना
काबुल नदी
सिंधु नदी।

ग्लेशियर का वर्णन हिमनद हेतु उपजाऊ मृदा इन तथ्य को शामिल कर उत्तर को और प्रभावी बना सकते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(2) ये सूर्य की किरणों को परावर्तित कर पृथ्वी के तापमान का संतुलन करते हैं।

(3) जल के स्वच्छ पानी के भंडार के रूप में।

(4) ये साइबेरिया की ठंडी हवाओं से भारतीय महाद्वीप की रक्षा करते हैं। } स्पष्ट करें।

(5) पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण।

(6) जैव विविधता की दृष्टि से महत्वपूर्ण

eg. → भूरा भालू
→ हिम तेंदुआ
→ हिमालय ताहर

इनके द्वारा सामना किये जा रहे खतरे :-

(1) जलवायु परिवर्तन व Global warming के कारण इनका पिघलना।

(2) इनका हैंगिंग ग्लेशियर के रूप में परिवर्तन जो बाढ़ का कारण है।

(3) यहाँ पर्यटन गतिविधियों के कारण Pollution की समस्या।

(4) निर्माण गतिविधियों के कारण इनके नष्ट होने की समस्या।

(5) Battleground के रूप में इनका परिवर्तन होना।

हिमनदों से सम्बन्धित राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के उत्थापन को शामिल कर उत्तर को और प्रभावी बना सकते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

[illegible] कि [illegible] की [illegible]
[illegible] [illegible] संचालित करने पर
ध्यान देना चाहिए। [illegible] को
[illegible] की तरह यहाँ भी अनुसंधान
[illegible] स्थापित करना चाहिए।

उत्तर लेखन
का प्रयास
अच्छा है

7

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के निर्माण को स्पष्ट कीजिये। बंगाल की खाड़ी चक्रवातों के लिये अधिक प्रवण क्यों है? विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

Explain the formation of tropical cyclones. Discuss why the Bay of Bengal is more prone to cyclones? (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उष्ण कटिबंधीय चक्रवात :- ये उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों के गर्म आर्द्र जलवायु व समुद्र के ऊपर बनने वाली हवा के तीव्र उच्चावच रूप है जो 250 km तक फैले होते है।

चक्रवात का निर्माण :- अनुकूल परिस्थितियाँ

कोरियोलिस बल की उपस्थिति इन तत्व को शामिल करें।

1. निम्न दाब का क्षेत्र होना
2. लगातार गर्म हवा व ऊष्म आर्द्रता युक्त हवा द्वारा ऊर्जा का छोड़ना।
3. समुद्री सतह
4. तापमान 21-24°C होना 27°C से अधिक
5. Vertical wind को खराब न करने वाली जेट (तीव्र) पवनों का न बहना।

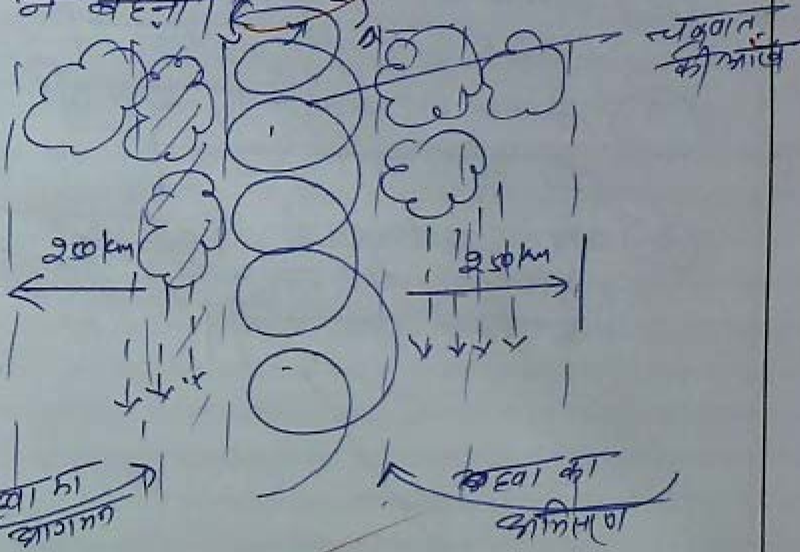

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ चक्रवात की आँख में निम्न वायु दाब होता है।

→ आँख के दोनों ओर इसकी दिवार होती है।

→ चक्रवात की दिशा
  ↳ उत्तरी गोलार्द्ध → Anti Clockwise
  दक्षिणी गोलार्द्ध → clockwise

→ आँख के बाहर तीव्र वर्षा व प्रचंड गर्जन।

→ इनको विभिन्न नाम से जाना जाता है।
eg. अटलांटिक क्षेत्र – टाइफून
ऑस्ट्रेलिया – विली विली।

बंगाल की खाड़ी अधिक चक्रवात का कारण :-

① नदियों द्वारा स्वच्छ जल अतः यहाँ वाष्पीकरण ज्यादा होता है।

② बंगाल की खाड़ी में कर्क रेखा के कारण तापमान ज्यादा।

③ बंगाल की खाड़ी पर एलनीनो व ला नीना का प्रभाव।

④ यहां october में लौटता हुआ मानसून भी बहुत तीव्र चक्रवात के लिए उत्तरदायी।

इस प्रश्न को संक्षेप में लिखें।

चक्रवातों के निर्माण पर स्पष्टता से चर्चा करते हुए निष्कर्ष द्वारा उत्तर को पूर्ण करने का प्रयास करें।

4.5

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

20. जहाँ भारतीय अल्पसंख्यक धर्मनिरपेक्षता को सबसे बड़ी शक्ति एवं आश्वासन के रूप में देखते हैं वहीं अनेक पश्चिमी देशों, जैसे फ्रांस इससे खतरा महसूस करते हैं। स्पष्ट कीजिये। (250 शब्द) 15

While the Indian minorities see secularism as the biggest strength and assurance, the minorities in many western countries, like France, feel threatened by it. Explicate. (250 Words) 15

अभ्यर्थी को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

धर्मनिरपेक्षता :- धर्म को लेकर राज्य तथा धर्म में एक उचित दूरी बनाए रखा जाना धर्मनिरपेक्ष कहलाता है।

भारतीय संविधान में धर्मनिरपेक्षता :-

भारत में धर्मनिरपेक्षता का अर्थ है -
1. राज्य का कोई धर्म नहीं
2. सभी धर्मों का समान आदर
3. सभी धर्मों का बराबर सम्मान
4. सभी धर्म समान दृष्टि से।
5. धर्म में सकारात्मक हस्तक्षेप।
6. धर्मों की बराबरी पर बल।
7. राज्य किसी धर्म को बढ़ावा नहीं देगा।
8. राज्य धन को किसी विशेष धर्म के लिए उपयोग नहीं करेगा।

भारत की इस तरह की धर्मनिरपेक्षता तथा Article 25 से 28 तक मिले

(Evaluator remarks, left margin: अल्पसंख्यकों हेतु योजनाएँ इस तथ्य में शामिल कर उत्तर में और प्रभावी बना सकते हैं)

(Evaluator remark, right margin: इस पक्ष को संक्षेप में लिखें)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अधिकार भारतीय अल्प संख्यकों को हमेशा निश्चिंत माहौल प्रदान करने का कार्य करते हैं।

भारतीय राज्य कभी भी सरदारों को कृपाण धारण, पगड़ी धारण करने से मना नहीं करता है।

फ्रांस की धर्मनिरपेक्षता :- फ्रांस में चर्च क्रांति, राज्य तथा धर्म के बीच पूरी तरह अलगाव है वहाँ धर्म एक निजी मामला है।

→ फ्रांस में सरदारों को कृपाण रखने की मनाही है।
→ फ्रांस में मुस्लिम महिलाओं के बुर्के पहनने पर भी बैन लगाया जाता था।

इन सभी का परिणाम फ्रांस में कट्टरता और जन्म के रूप में देखा गया। फ्रांस में कई साम्प्रदायिक घटनाएँ हुई।

इसलिए विश्व के देशों को भारतीय धर्मनिरपेक्षता से सीख लेनी चाहिए।

धर्मनिरपेक्षता का नकारात्मक स्वरूप। इस तथ्य को शामिल करें।

प्रश्न की माँग के आधार पर अच्छा उत्तर लिखा गया है।

(7)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation